# युवाओं की राजनीतिक भागीदारी पर सोशल मीडिया के उपयोग का प्रभाव

[1]Ishant Kumar, [2]Dr. Jiley Singh
[1]Research Scholar, [2]Supervisor
[1-2] Department of Political Science, Malwanchal University, Indore, Madhya Pradesh, India

**अमूर्त**

युवाओं की सक्रिय भागीदारी किसी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के समय में, युवा वर्ग न केवल देश का भविष्य है, बल्कि वर्तमान में भी एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभर रहा है। उनकी नई सोच, ऊर्जा, और आधुनिक दृष्टिकोण समाज के विकास और राजनीति में सुधार लाने के लिए आवश्यक हैं।

**कीवर्डः** युवाओं, भागीदारी, राजनीति, मीडिया, ऑनलाइन, गतिविधि, बढ़ावा।

## परिचय

यद्यपि अनेक अध्ययनों में युवाओं और वयस्कों के बीच ऑनलाइन सोशल मीडिया के उपयोग की दरों का विवरण दिया गया है, तथा यद्यपि ऐसी गतिविधियों और राजनीतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के बीच संबंधों का पता लगाया गया है, विद्वान अभी भी यह स्पष्ट करने के लिए काम कर रहे हैं कि क्या और कब सोशल मीडिया के साथ ऑनलाइन गतिविधि के विशेष रूप राजनीतिक जुड़ा व को बढ़ावा देते हैं। एक मेटा–विश्लेषण इंटरनेट के उपयोग और ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंधों के शुरुआती अध्ययनों में पाया गया कि हालांकि उनमें से अधिकांश अध्ययनों ने दोनों के बीच सकारात्मक संबंध की पहचान की, लेकिन यह संबंध आम तौर पर बहुत मजबूत नहीं था। जैसे–जैसे विद्वत्ता आगे बढ़ी है और नए मीडिया का विकास जारी है, हाल ही में किए गए शोधों ने सोशल मीडिया के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंधों पर अधिक विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है। बौलियान (उद्धरण 2015) इस शोध के मेटा–विश्लेषण में पाया गया कि जांचे गए अधिकांश अध्ययनों ने सोशल मीडिया के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी के बीच सकारात्मक संबंध की रिपोर्ट की। हालाँकि, चूँकि उनमें से अधिकांश अध्ययन क्रॉस–सेक्शनल सर्वेक्षण डेटा पर निर्भर थे, इसलिए वे चरों के बीच कारण संबंधों के बारे में परिकल्पनाओं का परीक्षण करने की अपनी क्षमता में गंभीर रूप से सीमित थेय पैनल डेटा का उपयोग करने वाले कुछ अध्ययनों में क्रॉस–सेक्शनल डेटा का उपयोग करने वालों की तुलना में सोशल मीडिया के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी के बीच सकारात्मक, सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध की रिपोर्ट करने की संभावना बहुत कम थी (बौलिएन,उद्धरण 2015).

ऑनलाइन गतिविधि के विभिन्न रूपों और सोशल नेटवर्किंग साइट (एसएनएस) के उपयोग के बीच महत्वपूर्ण अंतर हैं जो राजनीतिक जुड़ा व के साथ उनके संबंधों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। कुछ विद्वानों ने विशेष प्रौद्योगिकियों (जैसे, स्मार्टफोन) या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (जैसे, फेसबुक, गूगल या ट्विटर) पर ध्यान केंद्रित किया है। उदाहरण के लिए, बेल्जियम में किशोरों के अपने दो–तरंग पैनल अध्ययन में, थियोचारिस और क्विंटेलियर (उद्धरण 2016) ने फेसबुक के उपयोग और राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंधों की जांच की। अन्य अध्ययनों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग के प्रभावों की तुलना की है (उदाहरण के लिए, पासेक, मोर और रोमर,उद्धरण 2009 झांग, सेल्टजर, और बिचर्ड,उद्धरण 2013) और कुछ अन्य लोगों ने विभिन्न प्लेटफार्मों के उपयोग की आवृत्ति को सोशल मीडिया उपयोग के माप में जोड़ दिया है।

एक अलग विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण ऑनलाइन जुड़ा व के उद्देश्यों (जैसे, सूचना खोज) और इंटरैक्टिव गतिशीलता (जैसे, साथियों के बीच साझा करना) पर जोर देता है। उदाहरण के लिए, एकस्ट्रॉम और ओस्टमैन

(उद्धरण 2015), स्वीडिश युवाओं के अपने दो–तरंग पैनल सर्वेक्षण में, ऑनलाइन गतिविधि के तीन प्रकारों में अंतर किया सूचना एकत्र करना, सामाजिक संपर्क और रचनात्मक उत्पादन। पाया गया कि रचनात्मक उत्पादन का ऑफलाइन और ऑनलाइन राजनीतिक भागीदारी पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जबकि सूचना एकत्र करने और सामाजिक संपर्क के प्रभाव अप्रत्यक्ष थे। ऑनलाइन गतिविधि के बाद के रूपों को ऑनलाइन राजनीतिक चर्चा में अधिक जुड़ा व की ओर ले जाने वाला पाया गया, जिसके परिणामस्वरूप ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि हुई। इसी तरह, गिल डे जुनिगा, मोलिनेक्स और झेंग (उद्धरण2014) ने सोशल मीडिया के दो तरह के उपयोग में अंतर किया समाचार के लिए उपयोग और सामाजिक संपर्क के लिए उपयोग। अमेरिकी वयस्कों के दो–तरंग पैनल अध्ययन के उनके विश्लेषण में पाया गया कि टाइम 1 में किसी भी तरह के सोशल मीडिया उपयोग का टाइम 2 में ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से अधिक राजनीतिक भागीदारी से संबंध था।

## साहित्य की समीक्षा

शर्मा, भुवनेश और परमा, स्वर्णा। (2017) सोशल मीडिया, 21वीं सदी का एक मंच और एक ऐसा साधन है जो राष्ट्र और उसके समाजों को अपने विचारों और विचारों को व्यापक रूप से बनाने, व्यक्त करने और आदान–प्रदान करने में मदद करता है। सभी आयु वर्ग के लोग इसे किसी अन्य मीडिया की तरह उपयोग करने और इसे कम समय और ऊर्जा के साथ दुनिया से जोड़ ने के लिए आकर्षित होते हैं। सोशल मीडिया तकनीक इतनी व्यापक है कि इसमें ब्लॉगिंग, चित्र साझा करना, वॉल–पोस्टिंग, संगीत साझा करना, क्राउड सोर्सिंग और वॉयस ओवर आईच, ब्लॉग आदि शामिल हैं, जिसका उपयोग आज लोग एक–दूसरे के साथ संवाद करने और अधिक विचारों और अभिव्यक्तियों को नया करने के लिए खुद को प्रेरित करने के लिए कर रहे हैं। सोशल मीडिया, राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों के दौरान अपनी दृष्टि, उद्देश्य को प्रभावित करने, जोड़ ने और व्यक्त करने के लिए सबसे लोकप्रिय प्रचार उपकरण के रूप में उभर रहा है, ताकि उनकी दृश्यता बड़े या बहुमत प्राप्त हो। आज लोग सोशल मीडिया पर रहते हैं, जहाँ राजनीतिक दल भी उन तक पहुँचना चाहते हैं जहाँ वे रहते हैं। इस शोध पत्र को लिखने का उद्देश्य मतदाताओं के मतदान करते समय निर्णय लेने में सोशल मीडिया की भूमिका को समझना है। अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि सोशल मीडिया का मतदान के निर्णय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, खासकर युवा मतदाताओं पर। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि राजनीतिक नेताओं की टिप्पणियां ट्वीट टिप्पणियां उस पार्टी को वोट देने के उनके निर्णय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।

सतरिया, डेडी और जुहरी, अल। (2022) युवा मतदाताओं के राजनीतिक ज्ञान और जुड़ा व को बनाने में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है, जिससे उनकी राजनीतिक साक्षरता में सुधार हुआ है। इस अध्ययन का उद्देश्य युवा मतदाताओं की राजनीतिक साक्षरता बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका निर्धारित करना है। इस अध्ययन में प्रयुक्त विधि साहित्य समीक्षा है। साहित्य समीक्षा में उपयोग किए जाने वाले चरण लेख संग्रह, कटौती, प्रदर्शन, आयोजन और चर्चा, और निष्कर्ष निकालना हैं। इस अध्ययन से पता चला है कि सोशल मीडिया मतदाताओं के लिए एक नया डोमेन बन गया है, विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले उम्मीदवारों के लिए जो प्रतिस्पर्धी उम्मीदवार जोड़ ` हैं। सबसे पहले, राजनीतिक साक्षरता में सोशल मीडिया की भूमिका राजनीतिक प्रक्रियाओं और विकास नीतियों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए एक एजेंट के रूप में है। दूसरे, वे विचारों, राय और यहां तक कि कुछ राजनीतिक घटनाओं के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बढ़ाने के एजेंट बन जाते हैं। तीसरा, सोशल मीडिया मुक्त चर्चा और राजनीतिक साक्षरता के लिए एक सार्वजनिक स्थान है। चौथा, सोशल मीडिया ने सामाजिक नियंत्रण के कार्य को पूरा करके लोकतंत्र को बढ़ावा देने में योगदान दिया है, उदाहरण के लिए, ई–केटीच भ्रष्टाचार मामले में।

टैन, जु जून और फिरदौस, अमीरा और अली, इफ्फत। (2022) आधुनिक डिजिटल युग में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सोशल मीडिया का काफी प्रभाव है। इस बीच, राजनीतिक जानकारी राजनीतिक प्रक्रिया और कार्यशील

लोकतंत्र में एक कीमती वस्तु प्रतीत होती है। इन क्षेत्रों में शोध के प्रसार और वैश्वीकरण के बावजूद, राजनीतिक जानकारी के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर शोध की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए पिछले अध्ययनों से खोजों की व्यवस्थित समीक्षा और एकीकरण करने के लिए कम प्रयास किए गए हैं। इस लेख का उद्देश्य राजनीतिक जानकारी के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर शोध का एक समृद्ध अवलोकन प्रस्तुत करने के लिए 2010 और 2020 के बीच मौजूदा साहित्य से समग्र, अनुभवजन्य निष्कर्षों को व्यवस्थित रूप से एकत्र करना, संक्षिप्त करना, विश्लेषण करना और रिपोर्ट करना है। व्यवस्थित साहित्य समीक्षा (एसएलआर) ने डेटा संग्रह के लिए स्वचालित और मैन्युअल खोज रणनीतियों दोनों को एकीकृत किया। 292 शोधपत्रों में से, शोध प्रश्नों के एक निर्धारित सेट का उत्तर देने के लिए 23 प्राथमिक अध्ययनों की पहचान की गई। राजनीतिक संचार और राजनीतिक भागीदारी दो सबसे लोकप्रिय विषय थे। उपयोग और संतुष्टि सिद्धांत सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला सिद्धांत प्रतीत हुआ। विद्वान सोशल मीडिया पर राजनीतिक जानकारी का उचोग करने और राजनीतिक भागीदारी की प्रक्रिया के बीच किसी भी चरण में मौजूद अप्रत्यक्ष चर का पता लगाने के लिए उत्सुक हैं। समीक्षा के परिणामों से पता चला कि यद्यपि राजनीतिक जानकारी के लिए सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, लेकिन इस क्षेत्र के ज्ञान के बारे में खोजबीन पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है और मोटे तौर पर रिपोर्ट की जाती है। समीक्षा के परिणामों पर एक स्पष्ट विश्लेषणात्मक चर्चा की गई है, जिसमें पहचाने गए ज्ञान अंतराल शामिल हैं, जो आगे की खोज और निष्कर्ष की मांग करते हैं।

टैन, जुए जून (2022) मलेशियाई सांसदों ने 16 जुलाई, 2019 को मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए एक कानूनी संशोधन को मंजूरी दी। नई नीति ने 18 वर्ष के युवाओं के पहले बैच को जोहोर राज्य चुनाव में अपना वोट डालने का अधिकार दिया था जो 12 मार्च, 2022 को आयोजित किया गया था। राजनीतिक विश्लेषकों का आम तौर पर मानना है कि निकट भविष्य में जो होने वाला है वह आम चुनाव 15 (ळम्15) होगा। मलेशियाई लोगों ने स्वतंत्रता के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में सत्ता का हस्तांतरण देखा, राजनेताओं और बड डेटा विश्लेषकों ने आम तौर पर 2018 14 को सोशल मीडिया चुनाव के रूप में सराहा, यह देखते हुए कि सत्तारूढ और विपक्षी गठबंधन दोनों द्वारा प्रमुख प्रचार युद्ध के मैदान के रूप में सोशल मीडिया का बड पैमाने पर उपयोग किया गया था, खासकर वायर्ड युवा मतदाताओं तक पहुँचने और उन्हें प्रभावित करने के उनके प्रयासों में। इस शोधपत्र का उद्देश्य एक स्थानीय विश्वविद्यालय में 217 मलेशियाई पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के साथ एक ऑनलाइन स्व–प्रशासित सर्वेक्षण प्रश्नावली का उपयोग करके यह जानना है कि ये वायर्ड युवा राजनीति के बारे में जानने और मतदान का निरीक्षण करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कैसे करते हैं। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि सोशल मीडिया राजनीतिक जानकारी का उपयोग वायर्ड युवाओं को मतदान करने के लिए अधिक प्रेरित नहीं करता है, बल्कि इसके बजाय, उन्हें मतदाता कर्तव्य निभाने से विचलित करता है। इसके विपरीत, मतदान व्यवहार का अनुमान राजनीतिक चर जैसे कि पार्टी संबद्धता और राजनीतिक रुचि द्वारा लगाया जा सकता है। इसके बाद, अभ्यास के लिए अनुसंधान निहितार्थ और भविष्य के अध्ययनों के लिए दिशाओं पर चर्चा की गई।

काल्डेरारो, एंड्रिया. (2018) इंटरनेट के आगमन ने इस बारे में बहुत रुचि पैदा की है कि क्या और कैसे सोशल मीडिया सहित डिजिटल प्लेटफॉर्म राजनीतिक क्षेत्र पर कोई प्रभाव डालते हैं। परिणामस्वरूप, आज हम विभिन्न दृष्टिकोणों से सोशल मीडिया और राजनीति के बीच कई संबंधों को संबोधित करने वाले शोध के बढ़तेशरीर पर भरोसा कर सकते हैं। विषय का पता लगाने के लिए प्रस्तावित दृष्टिकोण अक्सर अलग–अलग होते हैं और वे हमेशा एक–दूसरे के साथ बातचीत नहीं करते हैं, और इसके कारणों और प्रभावों के विश्लेषण को अलग–अलग रास्तों पर ले जाते हैं, जो कभी–कभी अलग–अलग निष्कर्षों पर पहुँचते हैं। हालाँकि, इस तथ्य पर एक सहमति है कि इंटरनेट ने संचार के नए चौनल बनाए हैं जिन्होंने ज्ञात पारंपरिक मीडिया की तुलना में सूचना के प्रवाह को नाटकीय रूप से बदल दिया है। सोशल मीडिया राष्ट्रीय सीमाओं से परे, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाचार प्रसारित करने

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अध्याय इस बात की खोज करता है कि यह स्थिति राजनीतिक ज्ञान को कैसे बढ़ाती है। इस संदर्भ में, यह अध्याय इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि क्या और कैसे सोशल मीडिया राजनीति को प्रभावित करता है। विशेष रूप से, हम सबसे पहले इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि इंटरनेट की नेटवर्क प्रकृति राजनीतिक जुड़ा व के रूपों को कैसे सुविधाजनक बनाती है, और सोशल मीडिया के आगमन के साथ यह स्थिति कैसे और विकसित हुई है। राजनीतिक ज्ञान को बढ़ाने और इस प्रकार राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने में सूचना के प्रसार की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करके, हम फिर यह पता लगाते हैं कि कैसे सोशल मीडिया इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है और राजनीतिक क्षेत्र पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभाव को बढ़ाता है। अंत में, हम राजनीति पर सोशल मीडिया के प्रभाव के लिए सबूत प्रदान करते हैं, यह देखते हुए कि कैसे राजनीतिक परिदृश्य, अभिनेताओं और राजनीतिक प्रथाओं में सूचना का प्रसार राजनीतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इस बात पर विशेष ध्यान देते हुए कि कैसे सोशल मीडिया का उपयोग अभियान चलाने और सामाजिक आंदोलनों को संगठित करने के लिए किया जाता है।

## अनुसंधान डिजाइन

जनसंख्या के आकार का मतलब है जनसंख्या के लोगों का एक उपसमूह। पूरी जनसंख्या से चुने जाने वाले नमूनों की संख्या जो बहुत बढ़ी या बहुत छोटी नहीं होनी चाहिए (कोठारी, 2012)। इस प्रकार, जनसंख्या का आकारनमूना 390 है जो जनसंख्या आकार के नमूना आकार के लिए अंगूठे के नियम के अनुरूप है क्रेजी और मॉर्गन (1970) की सरलीकृत तालिकाओं के अनुसार 1,000, 000 से 1, 000, 000, 000 तक। इस प्रकार, यह विश्वसनीयता और प्रतिनिधित्व के पूर्वापेक्षित स्तर को प्रभावी रूप से संतुष्ट करना चाहिए। हालाँकि, इस अध्ययन में, दिल्ली महानगरीय क्षेत्र में युवाओं की आबादी से नमूने चुने गए थे। इसी तरह, इस नमूने से त्रुटि के मार्जिन को कम करने और आत्मविश्वास के स्तर और डेटा की सटीकता को बढ़ाने की उम्मीद है (कीटन, 2014)।

इस शोध से प्राप्त जानकारी अत्यधिक विश्वसनीय है क्योंकि निर्णयात्मक नमूना प्रक्रिया ने सही उत्तरदाताओं को अध्ययन और राजनीति में रुचि रखने में मदद की है। इसलिए, यह परिणाम समग्र उत्तरदाताओं की राय का प्रतिनिधित्व करता है। यह भी विश्वसनीय है कि डेटा विश्वसनीय स्रोतों से एकत्र किया गया है (कार्माइन्स और जेलर, 1979)। इस शोध ने चर के बीच आंतरिक संबंधों का भी संचालन किया है जो चर के बीच आंतरिक संगतता को साबित करते हैं। प्रभावी सांख्यिकीय उपकरण भी इस शोध की विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं (रॉबर्ट्स और प्रीस्ट, 2006)। इस अध्ययन के चर भी विभिन्न शैक्षणिक स्रोतों का विश्लेषण करके तय किए गए हैं जो इन शोधों की विश्वसनीयता को भी बढ़ाते हैं। इस अध्ययन के परिणाम इसलिए भी मान्य हैं क्योंकि डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए प्रामाणिक और उपयुक्त उपकरणों का उपयोग किया गया है। यदि अल्फा मान 0.60 के बराबर या उससे अधिक है, तो 0.60 से कम मान स्वीकार नहीं किया जाएगा और माप विश्वसनीय नहीं होगा (टैबर, 2018)।

## डेटा विश्लेषण की विधि

जनसांख्यिकी अध्ययन नीचे दी गई तालिकाओं में दिया गया है। तालिका एक में उत्तरदाताओं की पूरी जनसांख्यिकी जानकारी दिखाई जाएगी। इस शोध में उत्तरदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की गई है। प्रोफाइल नीचे दी गई है

| वर्ग | मानदंड | गिनती करना | कॉलम वैध छ ⁒ |
|---|---|---|---|
| | पुरुष | 271 | 69ण्5⁒ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| थ्लंग | महिला | 119 | 30ण्5ः |
| | कुल | 390 | 100ण्0ः |
| आयु | 20.24 | 140 | 36ण्0ः |
| | 25.29 | 125 | 32ण्0ः |
| | 30.34 | 80 | 20ण्5ः |
| | 35.39 | 45 | 11ण्5ः |
| | कुल | 390 | 100ण्0ः |
| शैक्षणिक स्तर | स्नातक | 208 | 53ण्5ः |
| | स्नातकोत्तर | 121 | 31ण्0ः |
| | पोस्ट ग्रेजुएट से ऊपर | 61 | 15ण्5ः |
| | कुल | 390 | 100ण्0ः |
| स्थानीय निवास | बांग्लादेश | 199 | 51ण्0ः |
| | भारत | 72 | 18ण्5ः |
| | पाकिस्तान | 74 | 19ण्0ः |
| | न्पाल | 44 | 11ण्5ः |
| | कुल | 390 | 100ण्0ः |
| रोजगार की स्थिति | स्थायी | 216 | 55ण्5ः |
| | संविदात्मक | 174 | 44ण्5ः |
| | कुल | 390 | 100ण्0ः |

**तालिका 1: उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय जानकारी (स्रोत: एसचएसएस विश्लेषण)**

जनसांख्यिकीय जानकारी से पता चलता है कि अधिकांश उत्तरदाता पुरुष हैं और पुरुष इस अध्ययन में भाग लेने के लिए अत्यधिक इच्छुक हैं। लगभग आधे उत्तरदाता बांग्लादेश से हैं और इसमें 20–25 आयु वर्ग के

युवाओं का बड़ा  प्रतिनिधित्व है। अधिकांश उत्तरदाताओं का शैक्षिक स्तर स्नातक है।

**युवा मतदान व्यवहार पर प्रभाव**

तालिका 5 में युवाओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने के लिए राजनीति में सोशल मीडिया के उपयोग पर उत्तरदाताओं की प्रतिक्रियाओं के परिणाम दिखाए गए हैं। बेलो तालिका से पता चलता है कि लगभग 50% उत्तरदाताओं ने दृढता से सहमति व्यक्त की कि राजनीति में सोशल मीडिया का उपयोग अत्यधिक प्रभावी है। इसके अलावा, लगभग 25% उत्तरदाताओं ने भी इसी बिंदु पर सहमति व्यक्त की। परिणाम यह भी दर्शाता है कि लगभग 60.5% युवा मानते हैं कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक कैंपिंग और गतिविधियाँ उन्हें चुनाव के दौरान मतदान में भाग लेने के लिए प्रभावित करती हैं। यह भी तर्क दिया जा सकता है कि राजनीतिक गतिविधियों और राजनीतिक नेताओं द्वारा दिन–प्रतिदिन अपडेट के बारे में उपलब्ध जानकारी उन्हें चुनाव के दौरान सही और अत्यधिक प्रभावी उम्मीदवार चुनने के लिए सही निर्णय लेने में मदद करती है।

| | दृढतापूर्वक असहमत | | असहमत | | औसत | | तटस्थ | | सहमत | | दृढतापूर्वक सहमत तापूर्वक सहमत | | औसत | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्तिवैध छ% |
| चतुर्थ 1 | 10 | 5ण्0% | 20 | 10ण्0% | 30 | 15ण्0% | 20 | 10ण्0% | 50 | 25ण्0% | 100 | 50ण्0% | 150 | 75ण्0% | 390 | 100ण्0% |
| प्ट2 | 17 | 8ण्5% | 32 | 16ण्0% | 49 | 24ण्5% | 30 | 15ण्0% | 40 | 20ण्0% | 81 | 40ण्5% | 121 | 60ण्5% | 390 | 100ण्0% |
| प्ट3 | 23 | 11.5% | 22 | 11ण्0% | 45 | 22ण्5% | 24 | 12ण्0% | 50 | 25ण्0% | 81 | 40ण्5% | 131 | 65ण्5% | 390 | 100ण्0% |

**तालिका 5रू मतदान व्यवहार को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर धारणा (स्रोतरू एसचएसएस विश्लेषण)**

औसतन 20% उत्तरदाताओं का मानना है कि राजनीति में सोशल मीडिया के इस्तेमाल और युवाओं के मतदान व्यवहार पर कोई खास असर नहीं पड़ता  है। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भ1 को अधिकांश उत्तरदाताओं का समर्थन प्राप्त है और राजनीतिक गतिविधियों में सोशल मीडिया के इस्तेमाल और मतदान व्यवहार पर इसके प्रभाव के बीच सकारात्मक संबंध है।

**अनुभूत उपयोगिता**

तालिका 5 राजनीति में सोशल मीडिया के उपयोग के परिणाम दिखाती है। यहां सभी 200 उत्तरदाताओं को राजनीति में विभिन्न सोशल मीडिया की कथित उपयोगिता पर तीन बयानों की जांच करने के लिए कहा गया है। विश्लेषण से पता चला है कि लगभग 54% उत्तरदाता इस कथन से दृढता से सहमत हैं कि सोशल मीडिया राजनीतिक उम्मीदवारों को राजनीतिक गतिविधियों को संचालित करने के लिए विभिन्न सुविधाएं प्रदान करता है। औसतन 44% उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि उन्हें नियमित रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से राजनीतिक समाचार और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। उनका यह भी मानना है कि उन्हें सोशल मीडिया पर सभी हालिया और अपडेट राजनीतिक जानकारी मिलती है। इसलिए, भ2 को अधिकांश उत्तरदाताओं द्वारा समर्थन दिया गया है। उनका मानना है कि उपलब्ध जानकारी प्राप्त करने और राजनीतिक गतिविधियों के बारे में ज्ञान बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया उपयोगी है।

**तालिका 6: राजनीति में सोशल मीडिया की उपयोगिता (स्रोतरू एसचएसएस विश्लेषण)**

| | दृढतापूर्वक असहमत | | असहमत | | औसत | | तटस्थ | | सहमत | | दृढतापूर्वक सहमत | | औसत | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न %% | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न %% | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न %% | गिनती करना | पंक्ति मान्यए न % |
| पीयू 1 | 7 | 3ण्5% | 3 | 1ण्5% | 9 | 4ण्2% | 33 | 16ण्5% | 48 | 24ण्0% | 109 | 54ण्5% | 103 | 51ण्2% | 390 | 100ण्0 % |
| पीयू 2 | 20 | 10ण्0% | ३१ | 15ण्5% | 36 | 17ण्8% | 21 | 10ण्5% | 48 | 24ण्0% | 80 | 40ण्0% | 88 | 44ण्0% | 390 | 100ण्0 % |
| पीयू 3 | 25 | 12ण्5% | 38 | 19ण्0% | 44 | 22ण्0% | 29 | 14ण्5% | 36 | 18ण्0% | 72 | 36ण्0% | 72 | 36ण्0% | 200 | 100ण्0 % |

तालिका से यह भी पता चलता है कि कुछ युवा ऐसे भी हैं जो मानते हैं कि राजनीति में सोशल मीडिया बहुत उपयोगी नहीं है। विश्लेषण से यह कहा जा सकता है कि राजनीति में सोशल मीडिया की उपयोगिता को लेकर युवाओं की धारणा सकारात्मक है।

## उपयोग में आसानी

उत्तरदाताओं से सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी के बारे में भी पूछा गया। नीचे दी गई तालिकाएँ विश्लेषण के परिणाम दिखाती हैं। मूल्यांकन से, यह स्पष्ट है कि अधिकांश युवा सोचते हैं कि सोशल मीडिया का उपयोग करना आसान है और कम प्रयासों के साथ आवश्यक राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है। लगभग 42% छात्र इस कथन से सहमत थे। इसके अलावा, लगभग 50% उत्तरदाताओं ने साझा किया कि सोशल मीडिया का उपयोग राजनीतिक संचार और प्रतिक्रिया प्रबंधन में मदद करता है। इसलिए, यह संकेत देता है कि सोशल मीडिया गतिविधियाँ और नागरिकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया किसी राजनीतिक उम्मीदवार की समग्र स्थिति को जानने में मदद करती है। परिणाम यह भी दर्शाता है कि औसतन 16% उत्तरदाताओं का मानना नहीं है कि सोशल मीडिया अत्यधिक प्रभावशाली है।

**तालिका 7: सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी के बारे में धारणा (स्रोतरू एसचएसएस विश्लेषण)**

| | दृढतापूर्वक असहमत | | असहमत | | औसत | | तटस्थ | | सहमत | | दृढतापूर्वक सहमत | | औसत | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन |
| ईयू 1 | 40 | 20ण्0% | 20 | 10ण्0% | 50 | 25ण्0% | 20 | 10ण्0% | 50 | 25ण्0% | 70 | 35ण्0% | 85 | 42ण्5% | 390 | 100ण्0 % |
| ईयू 2 | 10 | 5ण्0% | 20 | 10ण्0% | 20 | 10ण्0% | 30 | 15ण्0% | 40 | 20ण्0% | 100 | 50ण्0% | 90 | 45ण्0% | 390 | 100ण्0 % |

शोध मूल्यांकन से यह स्पष्ट है कि भ्3 उत्तरदाताओं द्वारा समर्थित है। चूंकि सोशल मीडिया का उपयोग आसान है और उनमें से अधिकांश हर दिन इसका उपयोग करते हैं, इसलिए यह उन्हें शारीरिक या इंटरनेट के माध्यम से राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए, संक्षेप में कहें तो सोशल मीडिया के उपयोग में आसानी युवाओं के राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करती है।

**राजनीतिक भागीदारी**

इस अध्ययन के इस भाग में दक्षिण एशिया के युवाओं की राजनीतिक भागीदारी पर राजनीति में सोशल मीडिया के उपयोग की प्रभावशीलता का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से पता चला है कि लगभग 50% उत्तरदाताओं ने दृढता से सहमति व्यक्त की कि राजनीति में सोशल मीडिया के उपयोग का युवाओं की राजनीति में भागीदारी पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, लगभग 40% उत्तरदाताओं ने दृढता से सहमति व्यक्त की कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को तर्क और आलोचना की सुविधा प्रदान करता है। ऐसी सुविधाएँ राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने में युवाओं की रुचि बढ़ाती हैं। 200 उत्तरदाताओं में से औसतन 116 उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि सोशल मीडिया युवाओं के लिए राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने की गुंजाइश बनाता है। इन सभी का राजनीति में युवाओं की भागीदारी पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

**तालिका 8: युवाओं की राजनीतिक भागीदारी में सोशल मीडिया की भूमिका (स्रोतरू एसचएसएस विश्लेषण)**

| | दृढतापूर्वक असहमत | | असहमत | | औसत | | तटस्थ | | सहमत | | दृढतापूर्वक सहमत | | औसत | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन %% | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन %% | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % | गिनता करना | पंक्ति मान्यएन % |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पीपी 1 | 23 | 11ण्5٪ | 20 | 10ण्0٪ | 33 | 16ण्5٪ | 20 | 10ण्0٪ | 56 | 28ण्0٪ | 81 | 40ण्5٪ | 97 | 48ण्2٪ | 390 | 100ण्0٪ |
| पीपी 2 | 25 | 12ण्5٪ | 26 | 13ण्0٪ | 38 | 19ण्0٪ | 33 | 16ण्5٪ | 46 | 23ण्0٪ | 70 | 35ण्0٪ | 81 | 40ण्5٪ | 390 | 100ण्0٪ |
| पीपी 3 | १३ | 6ण्5٪ | 37 | 18ण्5٪ | 32 | 15ण्8٪ | 25 | 12ण्5٪ | 48 | 24ण्0٪ | 77 | 38ण्5٪ | 87 | 43ण्2٪ | 390 | 100ण्0٪ |

उनका मानना है कि युवाओं को राजनीतिक गतिविधियों के तर्कसंगत और तार्किक हिस्से प्राप्त करने में मदद करने वाली आवश्यक जानकारी की उपलब्धता है जो उन्हें राजनीति में अधिक प्रभावी बनने में मदद करती है। चूंकि अधिकांश उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए परिकल्पना भ्4 स्वीकार की जाती है।

**राजनीति का निजीकरण**

नीचे दी गई तालिका 9 राजनीति में सोशल मीडिया के उपयोग के परिणाम दिखाती है जो उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत राजनीति करने की सुविधा प्रदान करती है। लगभग 42٪ उत्तरदाताओं ने दृढता से सहमति व्यक्त की कि सोशल मीडिया व्यक्तिगत विचारों और अवधारणाओं को साझा करने का एक स्थान है। यह सुविधा युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग में अधिक प्रभावी बनने के लिए प्रेरित करती है और इससे उन्हें एक विशिष्ट पहचान बनाने में मदद मिलती है। चूंकि असहमति केवल 10٪ उत्तरदाताओं से आई है, इसलिए सोशल मीडिया का राजनेताओं पर राजनीतिक गतिविधियों में अधिक प्रभावी बनने के लिए बहुत प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, लगभग 46٪ उत्तरदाताओं को लगता है कि सोशल मीडिया राजनीति में एक विशिष्ट पहचान बनाने में मदद करता है। लेकिन, विश्वसनीयता परीक्षण इस चर की विश्वसनीयता का समर्थन नहीं करते हैं। इसलिए, यह माप विश्वसनीय नहीं है और अन्य चर के साथ इसकी आंतरिक संगति कम है।

**तालिका 9: राजनीति का निजीकरण (स्रोतरू एसचएसएस विश्लेषण)**

| | दृढ़तापूर्वक असहमत | | असहमत | | औसत | | तटस्थ | | सहमत | | दृढतापूर्वक सहमत | | औसत | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪٪ | गिनती करना | पंक्ति मान्यएन ٪٪ | गिनती करना | पंक्तिवैधा छ٪ |
| पी 1 | 21 | 10.5٪ | 30 | 15.0٪ | 36 | 18.0٪ | 23 | 11.5٪ | 42 | 21.0٪ | 84 | 42.0٪ | 84 | 42.0٪ | 390 | 100.0٪ |
| पी 2 | 14 | 7.0٪ | 18 | 9.0٪ | 23 | 11.5٪ | 40 | 20.0٪ | 40 | 20.0٪ | 88 | 44.0٪ | 84 | 42.0٪ | 390 | 100.0٪ |

इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि माप वैध नहीं है और इस माप के आधार पर परिकल्पनाओं का समर्थन नहीं किया जा सकता है क्योंकि प्रतिक्रियाओं की आंतरिक संगति कम है।

## निष्कर्ष

इस शोध में फेसबुक के उपयोग, राजनीतिक हस्तियों के साथ संवाद, फेसबुक पर कथित सूचना की गुणवत्ता, राजनीतिक रुचि और भारतीय संदर्भ में राजनीतिक भागीदारी (ऑनलाइनध्ऑफलाइन) के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध की परिकल्पना की गई है। विद्वानों का तर्क है कि युवा हाल ही में राजनीतिक ज्ञान और सूचना की तलाश करने और सीधे तौर पर कमजोर और मजबूत संबंधों के साथ बातचीत करने के लिए फेसबुक का उपयोग करते हैं।

## संदर्भ


1. शर्मा, भुवनेश और परमा, स्वर्णा (2017)। मतदाता व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव—ग्वालियर, मध्य प्रदेश का एक वर्णनात्मक अध्ययन। 10.13140ध्त्ळ.2.2.29416.26880। 10.12944ध्बतरैी. 4.1.08.

2. सतरिया, डेड्डी और जुहरी, अल. (2023). शुरुआती मतदाताओं की राजनीतिक साक्षरता बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका. मलिकुस्सलेह सोशल एंड पॉलिटिकल रिव्यूज. 4. 77—81. 10.29103ध्उेचत. अ4प2.11948.

3 टैन, जु जून और फिरदौस, अमीरा और अली, इफ्फत। (2024)। राजनीतिक जानकारी के लिए सोशल मीडियारू एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। जर्नल कोमुनिकासीरू मलेशियाई जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन। 40. 77—98. 10.17576ध्ज्केकेएमजेसी—2024—4001—05।

4 टैन, जुए जून (2022)। मलेशियाई युवाओं का सोशल मीडिया राजनीतिक सूचना उपयोग और मतदान व्यवहार। मलेशियाई जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज (डश्रैभ)। 7. म001725. 10. 47405ध्उरैी.अ7प9.1725.

5. कैल्डेरारो, एंड्रिया. (2018). सोशल मीडिया और राजनीति.

6. शर्मा, भुवनेश और परमा, स्वर्णा (2017)। मतदाता व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव—ग्वालियर, मध्य प्रदेश का एक वर्णनात्मक अध्ययन। 10.13140ध्त्ळ.2.2.29416.26880। 10.12944ध्बतरैी. 4.1.08.

7. पारख, नदीशांत. (2020). चीनी राजनीति में युवाओं का प्रतिनिधित्वरू भारतीय चीनी नीतियों का विश्लेषण. जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स एंड जियोग्राफी. 8. 43—59.

8. चौधरी, प्रमुख. (2022). भारत की राजनीतिक व्यवस्था के लिए यह अध्याय किस तरह की प्रतिभा या लूट है. जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड जियोग्राफी. 3. 1—6. 10.55544ध्परतं.3.1.1.

9 नटवारी, भुवी. एवेंसलैंडा, भूपाल. (2023). कोविड—19 महामारी के बाद भारतीय राजनीति पर सोशल मीडिया का प्रभाव. एकता जियाल, आयुष्मान्ति इन आर्ट एंड ह्यूमैनिटी. 3. 105—112.10.55544ध्परती.3. 3.17.

10ण कुमार, आशुतोष एस. (2019). भारत में राज्य स्तर पर राजनीतिरू निरंकुशता और प्रगति. इंडिया रिव्यू. 18. 264—287.10.1080ध्14736489.2019.1616260.

1 महमूद, एस और अवाई, डॉ. अब्दुल. (2019).राजनीति में युवाओं की भागीदारी में सोशल मीडिया की भूमिकारू नाजला खैवाल द्वारा एक केस चौप्टर. 5. 718—742.

12 रीबा, जे बा और परग्राही, च और छात्र, डॉक्टरेट.(2022). अरुणाचल प्रदेश में युवाओं की सोशल मीडिया और राजनीतिक जागरूकतारू संख्याओं का एक केस स्टडी. जर्नल ऑफ इंटरनेशनल

सिनेसाइंस रिसर्च. खंड ग्प्प्. 284— 299.

13 राज.एम., कंसनमार. (2014). आयरलैंड और भारत में युवा जागरूकतारू एक तुलनात्मक अध्याय।

14 रेशम, प्रेम. (2018)। हरियाणा में सोशल मीडिया और युवाओं की राजनीतिक भागीदारी।

15 सकसिया, मयंक और अधिया, दीपक। (2020)। भारतीय राजनीति के नामांकित स्वरूप में सोशल मीडिया की भूमिकारू फेसबुक की विशेष विशेषताओं पर एक अध्याय।